gave several suggestions relating to the formulation of the Budget for 1993-94. It was not that only a single package had been suggested.

(b) No, Sir.

(c) In view of answer to part (b) of the question, question does not arise.

(d) The provision was inserted in the Income-tax Act in 1976 and was continued till assessment year 1987-88. It was withdrawn for assessment year 1988-89, but was again reintroduced in assessment year 1989-90 for such cases where an assessee could prove to the satisfaction of the Assessing Officer that an agreement had been entered prior to 12th June, 1986 to buy a ship or aircraft or specified plant or machinery. This provision continued *to* be applicable till assessment year 1990-91 when it was discontinued. The reasons for withdrawal of this provision were given by the then Finance Minister in the Budget Speech delivered on 19th March, 1990.

Probe of Mr. Harslwd Mehta

1673. SHR1 ANANT RAM JAISWAL : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether reference to Interpol has been made by Central Bureau of Investigations (CBI) to probe international connections of Mr. Harshad Mehta and siphoning off huge money out of country by his group;

(b) if so, what are the points of reference and whether any report/information has been received on each of the point; and

(c) what action has been taken on the report/information mentioned in part (b) above ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY) : (a> to (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

महालेखाकार कार्यालयों में सामान्य भविष्य निधि खातों में जमा धनराशि

1674. श्री दिलीप सिंह जूदेव : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 जनवरी, 1993 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश और उड़ीसा के महालेखाकार कार्यालयों में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि खातों में जमा धनराशि कितनी है और उचंत खाते में जमा धनराशि कितनी है: तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 1991-92 और 1992-93 के दौरान उचंत खाते में से प्रदेशवार कितनी धनराशि को निकालकर उसे संबंधित कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि खातों में जमा कराया गया;

(ग) उचंत खाते में जमा धनराशि को वापस निकालने हेतु मृत सेवा-निवृत्त और कार्यरत सरकारी कर्मचारियों की ओर से प्राप्त ऐसे आवेदन पत्रों का ब्यौरा क्या है जो विभिन्न महालेखाकार कार्यालयों में लंबित पड़े हुए है; और

(घ) ऐसे मामलों के शीघ्र निपटान हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा यथासंभव शीघ्र सभा पटल पर रख दी जाएगी ।